Page No.
Date : / /

हिंदी कक्षा - पाँच
रिमझिम पाठ - 5

प्र० 1 इला या इला जैसी कोई लड़की यदि तुम्हारी कक्षा में दाखिला लेती तो तुम्हारे मन में कौन-कौन से प्रश्न उठते ?

उ० इला या इला जैसी लड़की यदि हमारी कक्षा में दाखिला लेती तो मेरे मन में तरह - तरह के प्रश्न उठते, जैसे |

- वह कपड़े कैसे पहनती होगी ?
- वह कैसे खाती होगी ?
- वह अपना गृहकार्य कैसे करती होगी ?
- वह अपने बाल कैसे संवारती होगी ?
- कहीं खुजली होने पर वह कैसे खुजलाती होगी ?
-

प्र० 2 इस लेख को पढ़ने के बाद क्या तुम्हारी सोच में कुछ बदलाव आए ?

उ० पहले मुझे लगता था कि अपंग व्यक्ति शारीरिक रूप से ही नहीं वरन मानसिक रूप से भी कमजोर होते हैं | उन्हें सहारे और सहानुभूति की जरूरत होती है | वे खुद से कोई काम नहीं

Page No.
Date : / /

नहीं कर सकते, स्कूल में दाखिला लेकर लिखने पढ़ने की बात तो बहुत दूर है। लेकिन अब मेरी सोच बिल्कुल बदल गई है। अब मैं उन्हें आत्मविश्वास और साहस से भरा पाती/पाता हूँ। वे हमसे थोड़ा भी कम नहीं हैं।

प्र० 3 यदि इला तुम्हारे विद्यालय में आए तो उसे किन-किन कामों में परेशानी आएगी?

उ० उसे अपना स्कूल बैग ढोने में, लिखने में, बेंच अगर सीधा नहीं है तो उसे सीधा करने, अपनी कक्षा के साथियों के साथ झूला आदि खेलने में परेशानी आएगी।

प्र० 4 उसे यह परेशानी न हो इसके लिए अपने विद्यालय में क्या तुम कुछ बदलाव सुझा सकती हो?

उ० उसके लिए एक लिखने वाले की व्यवस्था की जाए या उसे सब कुछ मौखिक पढ़ाया जाए।